need for making additional investment to retain percentage holding or else face dilution of his present 25% holding, Tola Ram Jalan is opposing and doing all these things to delay or drop this expansion programme . . ."

Request your attention to this matter of urgent public importance to secure immediate assurance of (i) Department of Company Affairs that Tola Ram Jalan group will not be allowed to increase holding or acquire control in management which vest in State Government. Secondly, Ministry of Finance should ensure that public financial institutions will not part with their share in this mill and will vote with the State Government and will also speed up financial assistance to the mills. Thirdly, the Ministry of Industrial Development will not countenance attempts to delay this expansion programme which will quickly relieve paper shortage in this country.

I request that the concerned Ministries will take effective steps to see that the paper mills management is not passed on to Tola Ram Jalan and that the expansion programme is speeded up.

REFERENCE TO SERIOUS FAMINE CONDITIONS IN THE COUNTRY

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (राजस्थान) : अध्यक्ष महोदय, समाचारपत्रों में जो समाचार छपे हैं उनकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । एक अखबार में छपा है कि भूखी मां ने बच्चे को मार कर उसके मांस से क्षुधा शान्त की । यह समाचार मिदनापुर का है और कांग्रेसी विधायक श्री प्रशान्त साहू ने सम्वाददाताओं को बताया कि हाल ही में एक भूखी महिला ने अपने बच्चे को जला दिया और फिर उसका मांस खाकर क्षुधा शान्त की । एक अन्य विधायक समसुल आलम खां ने भी कहा है कि धुवदा वसीन क्षेत्र में दस गरीब महिलाओं ने अपने बच्चों को 5—5 रुपए में बेच दिया । एक दूसरे अखबार में इस प्रकार का समाचार है कि मध्य प्रदेश में गांवों से लोग शहरों में आ रहे हैं । तीसरे अखबार में राजस्थान के एक मंत्री ने कहा है कि अगर वर्षा नहीं होगी तो सारा राजस्थान अकाल से प्रभावित हो जायगा । एक और समाचार है कि उड़ीसा के अन्दर अकाल से भयंकर स्थिति हो रही है । इसी प्रकार की स्थिति कर्नाटक के अन्दर है । आज के अखबारों के समाचारों से लगता है कि सारे देश के अन्दर भयंकर रुप से अकाल की स्थिति पैदा हो रही है । जैसा कि मैंने पहले समाचार की ओर ध्यान आकर्षित किया, कोई भी मां ऐसी नहीं हो सकती जो अपने बच्चे को मारे या जलाए या उसका मांस खाए । हो सकता है कि कोई विक्षिप्त हो । लेकिन पागल भी अपने बच्चे को मार कर खाता है तो इससे बढ़ कर शर्म की बात देश के लिए नहीं हो सकती । पागल भी पहले मिले तो रोटी खाएगा । पागल भी ऐसा जघन्य आसानी से नहीं कर सकता । अभी कुछ दिन पहले आसाम के कांग्रेसी सदस्य श्री एन आर चौधरी ने बताया था कि आसाम के अन्दर लोग भूख से मर रहे हैं, लकिन मंत्री महोदय ने कहा कि हमने स्टेट गवर्नमेंट से पता लगा लिया है, स्टेट गवर्नमेंट कहती है कि कोई भी आदमी भूख से नहीं मरा है । यह सरकार कभी भी स्वीकार नहीं करती कि लोग भूख से मरे हैं या मर रहे हैं अखबारों में जो समाचार आ रहे हैं व बड़े भयावह हैं । यदि बारिश नहीं हुई तो भयंकर अकाल देश में पड़ेगा । अभी भी इस तरह के समाचार आ रहे कि मां बच्चों को मार कर खा रही है । इसलिये देश के अन्दर पर्याप्त खाद्यान्न की व्यवस्था करनी चाहिए, विशेष रुप से उड़ीसा में, बंगाल में, गुजरात में और राजस्थान में । राजस्थान के अन्दर गेहूं रुपए किलो बिक रहा है । ऐसी स्थिति में गरीब के लिए मरने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं है । यहां पर पार्लियामेंटरी एफेयर्स के बड़े मंत्री बैठे हैं रघुरमैया साहब । जो भूख से मरने के समाचार राज्यों से आ रहे हैं वे उनकी जानकारी उन राज्यों से करें क्योंकि इस प्रकार के समाचारों से कि मां बच्चों को मार कर खा रही है देश की प्रतिष्ठा अन्तर्राष्ट्रीय जगत में नीचे गिरती है । वे इन सबका समाधान करें और समाधान यही हो सकता है व इन सब स्थानों पर अनाज पहुंचाने की व्यवस्था

कराएं जहां अकाल पड़ रहा है, वहां रिलीफ वर्कस तुरन्त खुलवाएं । इस प्रकार की व्यवस्था सरकार करें ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : पोइन्ट आफ आर्डर । सभापति महोदय, आपको स्मरण होगा कि जिस दिन यहां केरल के सदस्यों ने धरना दिया था उस दिन मैंने आपसे एक रिक्वैस्ट की थी और आपसे अनुरोध किया था कि यह प्रश्न केवल केरल का नहीं है देश के लगभग सभी राज्यों में सूखे की स्थिति है, उत्तर प्रदेश के 54 जिलों में से 40 जिले सूखाग्रस्त हैं, आप कृषि राज्य मंत्री को निर्देश दें कि वे इस अधिवेशन के समाप्त होने से पहले पूरे देश की सूखे की स्थिति के ऊपर एक वक्तव्य दें । आपने उस समय कहा था कि वे यहां पर बैठे है और सुन रहे है । आज अन्तिम दिन है और मैं चाहता हूं कि आप संसद-कार्य मंत्री को निर्देश दें कि कृषि मंत्री आज सायकाल अधिवेशन समाप्त होने से पूर्व इस गम्भीर समस्या पर एक उत्तर दें अन्यथा—दूकानें लुटनी शुरु हो गई है, गोदाम लुटने शुरु हो गए है —भयकर स्थिति हो जायगी, गोलिया चलने लगेगी । बिहार और उड़ीसा के उदारण आप के सामने आ चुके है । इसलिए आज अधिवेशन की समाप्ति के पूर्व इस संबंध में एक वक्तव्य अवश्य आना चाहिए ।

MR. CHAIRMAN: There is no point of order.

REFERENCE TO SCARCITY OF MUSTARD OIL IN EASTERN INDIA AS A RESULT OF CLOSURE OF OIL MILLS.

SHRI I. D. SINHA (Bihar): Mr. Chairman, Sir, with your permission I seek to draw the attention of the House to very serious scarcity of mustard oil in the whole of the Eastern India, comprising the States of Bihar, West Bengal, Assam, Orissa, Tripura, Manipur, etc. Sir, according to a statement issued by Mr. J. R. Jindal, President of Delhi State Oil Millers Association, mills have closed down in Delhi and Uttar Pradesh and as a result of the closure of these mills, 400 tonnes of mustard oil production per day is being affected and during the last one month that these mills have remained closed, there has been a loss of production of more than one lakh tonnes and about 15,000 to 16,000 workers are out of employment. Now the question is why have the mills closed down. Sir, with your permission, I will read out a statement of Mr. Jindal:

> "Mr Jindal, President of the Association told Reporters today that there was *no intentional contamination* of mustard oil with argemone. The argemone plant grew wild with mustard plant and was inadvertently mixed with mustard seeds during harvesting. Even one seed of argemone in one lakh mustard seeds showed positive and the oil was considered as adluterated. Argemone seeds are similar to mustard seeds in shape, size and colour and cannot be separated if the two are mixed up. Fear of prosecution had forced 47 oil mills in U.P. and 15 in Delhi to close down for a month now. The 15 Delhi mills alone produced 100 tons of mustard oil every day. Ninety per cent of the oil was exported to Bihar, Bengal and Orissa.
>
> Mr. Jindal has urged the Union Health Minister to look into the problems of the oil millers personally. He has warned that the oil millers may be forced to take to new trades resulting in unemployment for almost 4,000 workers in Delhi alone. The government's target for oil production would not be fulfilled."

Sir, I want only to point out that this argument of Mr. Jindal is totally false because it is true that argemone plant grows wildly with mustard plant but the plants are weeded out by the growers. They are not allowed to remain with the mustard. Secondly, they have thorns. So they cannot be harvested together otherwise the harvester will get his hands pricked with thorns. So it is not harvested. It is a case of adulteration from outside and now the oil millowners want to black-mail the Government in order to remove the restriction on adulteration and contamination of mustard oil and, therefore, they have closed down their mills.